

राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–234/2026

विकसित भारत के लिए विकसित बिहार जरूरी –राज्यपाल

पटना 02 नवम्बर, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने बापू सभागार, पटना में आयोजित पाटलिपुत्र राष्ट्रीय युवा संसद, 2026 के समापन समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इतने बड़े स्तर पर युवाओं की भागीदारी वाला आयोजन बिहार की क्षमता और यहाँ उपलब्ध सुविधाओं को दर्शाता है।

बिहार म्यूजियम की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि संग्रहालय ज्ञान, इतिहास और संस्कृति के प्रतीक होते हैं। बिहार प्राचीन काल से ही ज्ञान और शिक्षा की भूमि रहा है तथा देश की बौद्धिक विरासत में इसका विशेष स्थान है।

उन्होंने कहा कि बिहार देश के सबसे युवा राज्यों में से एक है और यहाँ की औसत आयु लगभग 26 वर्ष है। ऐसे में राष्ट्रीय युवा संसद युवाओं को अपने विचार रखने, एक–दूसरे से सीखने और देश के विभिन्न मुद्दों को समझने का अच्छा अवसर प्रदान करती है।

विकसित भारत @2047 के लक्ष्य की चर्चा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इसके लिए विकसित बिहार@ 2047 का लक्ष्य हासिल करना भी जरूरी है। बिहार के विकास के बिना देश के समग्र विकास की कल्पना पूरी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में नेतृत्व क्षमता और लोकतांत्रिक समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संसदीय व्यवस्था पर विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती संवाद, बहस और विचारों के आदान–प्रदान पर निर्भर करती है। दूसरों के विचारों को सुनना, असहमति का सम्मान करना और अपने विचारों को तर्क के साथ रखना लोकतंत्र की अहम विशेषताएँ हैं।

राज्यपाल ने युवा संसद में संसदीय प्रक्रिया, संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक संस्थाओं, जिम्मेदार पत्रकारिता और आपदा प्रबंधन जैसे विषयों पर हुई चर्चा की सराहना की। विशेष रूप से बिहार में बाढ़ और जलजमाव की समस्या पर युवाओं के विचारों को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने सुझाव दिया कि युवा संसद के अगले आयोजन में संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को भी प्रमुख विषय बनाया जाए। उन्होंने कहा कि कचरा प्रबंधन, बाढ़ एवं आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन जैसे विषय बिहार के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इन पर युवाओं के बीच चर्चा और विचार–विमर्श से राज्य के विकास के लिए नए सुझाव सामने आ सकते हैं।

इस अवसर पर माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री चिराग पासवान, माननीय सांसद एवं पाटलिपुत्र राष्ट्रीय युवा संसद की सह संस्थापक श्रीमती शाम्भवी चौधरी, पाटलिपुत्र राष्ट्रीय युवा संसद के संस्थापक श्री शायन कुणाल, युवा प्रतिनिधिगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

.....